

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर

एम.डी. प्रवेश परीक्षा - 2007

(स्मृति पर आधारित हल प्रश्न पत्र)

With special thanks to -

Dr. Nikky Bhulani

(P.G. Scholar)

N.I.A., Jaipur

- 1- "वक्त्रं वक्त्रं भवेद्यस्मिन् दन्तभंगश्च तीव्ररूक्" सुश्रुत का उपर्युक्त कथन किस व्याधि से सम्बन्धित है - (सु.नि. 16/33)
- 1- भंजनक 2- किमीदन्त
3- हनुमोक्ष 4- दन्तहर्ष
- 2- "पद्माकारं तालुमध्ये तु शोफं" उपर्युक्त कथन किस व्याधि से सम्बन्धित है - (सु.नि. 16/45)
- 1- तालु पुप्पुटक 2- तालु अर्बुद
3- अधुष 4- अलास
- 3- चरकानुसार अस्थिवह स्रोतस के मूल है - (च.वि. 5/9)
- 1- मेद व जघन 2- मेद व सन्धि
3- वामपार्श्व व वपावहन 4- स्नायु, त्वक
- 4- "क्षयात् संधारणाद्रौक्ष्यात् व्यायामात् क्षुधितस्य च" किस स्रोतस की दुष्टि के कारण है - (च.वि. 5/10)
- 1- रसवह 2- अन्नवह
3- उदकवह 4- प्राणवह
- 5- चरकानुसार असत्य कथन है - (च.शा. 7/14)
- 1- स्नायु नौ सौ होते हैं 2- सिराएँ सात सौ होती हैं
3- धमनियाँ दो सौ दस होती हैं 4- पेशियाँ चार सौ होती हैं ।
- 6- "नेत्रमरूग्नागशोफं" (अरूजा, राग व शोफ) का होना किस नेत्रस्राव का लक्षण है - (अ.स.उ.त. 13/2)
- 1- जलास्रव 2- पूयास्रव
3- पित्तास्रव 4- रक्तास्रव
- 7- "लगण" किस स्थानगत व्याधि है - (सु.उ.त. 3/8)
- 1- सन्धिगत 2- वर्त्मगत
3- शुकलगत 4- कृष्णगत
- 8- "किमिग्रन्धि" किस स्थानगत व्याधि है - (सु.उ.त. 2/3)
- 1- नेत्रगत 2- दन्तगत
3- जिह्वागत 4- तालुगत

- प्र० 9- निम्न में से किस द्रव्य को चरक व सुश्रुत दोनों ने शिरोविरेचन गण में रखा है - (च.सू. 2/3 व सु.सू. 39/6)
- 1- कड़ार
2- ज्योतिष्मति
3- वचा
4- पिप्पली
- प्र० 10- "घ्राणाक्षि मुखपाकाद्या अत्ययंचादिदारूणम्"
किस व्याधि के संदर्भ में कहा गया है - (अ.ह.उ.त. 2/22)
- 1- बालातिसार
2- क्षीरालसक
3- नैगमेष
4- विसूचिका
- प्र० 11- "शर्करा" शब्द को सुनकर मधुरता का ज्ञान होना, किस प्रमाण द्वारा प्राप्त ज्ञान है -
- 1- प्रत्यक्ष
2- अनुमान
3- युक्ति
4- उपमान
- प्र० 12- "विशिखान्तर" किसे कहा गया है - (सु.शा. 10/11)
- 1- गुदमार्ग
2- मुखमार्ग
3- योनिमार्ग
4- नासामार्ग
- प्र० 13- "सद्योभुक्त इवोद्गारः" एवं "उद्गारश्च सधूमाम्लं"
कमलाः किन व्याधियों के लक्षण है - (अ.ह.सू. 8/25 एवं मा.नि.)
- 1- विदग्धाजीर्ण, रसशंषाजीर्ण
2- विदग्धाजीर्ण, विष्टब्धाजीर्ण
3- विदग्धाजीर्ण, आमामीर्ण
4- आमामीर्ण, विदग्धाजीर्ण
- प्र० 14- आचार्य काश्यपानुसार बालक में वस्ति कब से देनी प्रारम्भ की जा सकती है - (काश्यप, राजपुत्रीया सिद्धि अध्याय, सिद्धि स्थान)
- 1- अधस्तनोऽन्नभोक्त (जो अन्न खा सकता है और जमीन पर चल सकता है)
2- जो अन्न नहीं ग्रहण कर सकता हो।
3- जो दौड़ नहीं सकता है।
4- जो बोल नहीं सकता है।
- प्र० 15- सुश्रुतानुसार शस्त्र द्वारा रक्तविस्त्रावण के कितने भेद निर्दिष्ट किये गए हैं - (सु.सू. 14/25)
- 1- 4
2- 2
3- 5
4- 3
- प्र० 16- "Osteitis Fibrosa Cystica" is related to-
- 1- Hyperthyroidism
2- Hypothyroidism
3- Hyperparathyroidism
4- Hypoparathyroidism
- प्र० 17- ग्रन्थ व ग्रन्थाकार का कौन-सा युग्म सुमेलित है -
- 1- भैषज्य रत्नावली - यादव जी त्रिकम जी
2- भैषज्य रत्नावली - गणनाथ सेन
3- शार्ङ्गधर दीपिका - काशीराम वैद्य
4- कोई भी युग्म सुमेलित नहीं है।

- प्र० 18- "कपोतवर्ण प्रतिमा" किस व्रण का लक्षण है (सु.सू. 23/19)
- 1- रूहयमान व्रण 2- दुष्टव्रण
3- सम्यक् रुद्ध व्रण 4- शुद्ध व्रण
- प्र० 19- सुश्रुतानुसार किस स्थान पर तिर्यकलंघन किया जाना चाहिए (सु.सू. 5/13)
- 1- भ्रू व गण्ड 2- गुद व मंड
3- अक्षि व औंष्ट 4- एक व तीन दांनों ही सही है ।
- प्र० 20- "न च तुल्यगुणो दृष्यो न दोषः प्रकृतिर्भवति"
किस प्रकार की व्याधि के द्योतक लक्षण है - (च.सू. 10/12)
- 1- सुख साध्य 2- असाध्य
3- कृच्छ्र साध्य 4- याप्य
- प्र० 21- निम्न में से विषचिकित्सा का उपकर्म है - (च.चि. 23/35)
- 1- पाचन 2- लेखन 3- वेणुबन्धन 4- दीपन
- प्र० 22- किस स्थिति में नस्य का प्रयांग निषिद्ध माना गया है - (च.सि. 3/21)
- 1- नव प्रतिशयाय 2- अर्दित
3- पक्षाघात 4- शिरःशूल
- प्र० 23- आन्त्र पाचक रसों के द्वारा भोजन का पाचन किया जाता है तथा वह आंशिक क्षारीय होता है । अतः उसकी पी.एच. हांगी ।
- 1- 6.5 से 7.0 2- 7.5 से 8.0
3- 8.0 से 8.5 4- 8.5 से 9.0
- प्र० 24- "धमनी शैथिल्य" किस धातु के क्षय का लक्षण है - (सु.सू. 15/13)
- 1- मांस क्षय 2- रक्तक्षय
3- रसक्षय 4- मेदक्षय
- प्र० 25- "सर्वांग नेत्र गौरव" किस धातु की वृद्धि का लक्षण है - (सु.सू. 15/19)
- 1- रमवृद्धि 2- मज्जावृद्धि
3- स्वेदवृद्धि 4- मेदोवृद्धि
- प्र० 26- "मेदोमांस च" अर्श के दृष्य है - (च.चि. 14/6)
- 1- स्नायु 2- क्लेद 3- त्वक 4- रक्त
- प्र० 27- "..... पुष्टिकराणां श्रेष्ठः"
(च.सू. 25/40)
- 1- यथाकाल भोजन 2- सुरा
3- स्नान 4- निवृत्तिः

प्र० 28- "..... दीर्घरोगाणाम्:" (च.सू. 25/40)
1- राजयक्ष्मा 2- ज्वर 3- कुष्ठ 4- प्रमंह

प्र० 29- What is the full form of G.M.P.-
1- Good Manufacturing Procedure
2- Global Manufacturing Practice
3- Good Manufacturing Practice.
4- Gagistered Manufacturing Practice.

प्र० 30- "अतत्त्वाभिनिवेश" है - (च.चि. 10)

- 1- मानस व्याधि 2- महागद
3- मानस व्याधि व महागद 4- कोई नहीं

प्र० 31- गर्भिणी के पंचम मास का लक्षण है - (च.शा.4/21)

- 1- क्लान्ततमा 2- काश्य 3- गुरुगात्रता 4- बलवर्णहानि

प्र० 32- What is the family of "Withania Somniferus"

- 1- Leguminoseae 2- Malvaceae
3- Solanaceae 4- Liliaceae

प्र० 33- "वरा" किसका पर्याय है -

- 1- त्रिफला 2- त्रिकटु 3- त्रिमद 4- त्रिजात

प्र० 34- "वल्ली पंचमूल" के द्रव्य है - (सु.सू. 38/73)

- 1- कुश, काश, नल, दर्भ, काण्डेशु
2- "बिदारी, सारिवा, रजनी, गुडुची, अजक्रंगी
3- शतावरी, त्रिकण्टक, गृध्रनखी, हिंसा, करमर्द
4- श्रीफल, सर्वतोभद्रा, पाटला, गणिकारिका, श्योनाक

प्र० 35- Gower's Sign is related to:

1. Cerebral Palsy 2. Measels
3. Polio 4. Muscular Dystrophy

प्र० 36- "Carpel tunnel syndrom" is related with which nerve-
1. Ulnar N. 2. Median N. 3. Radial N. 4. Brachial N.

प्र० 37- Xth factor is -

1. Hegmen factor 2. Stuart factor
3. Christmas factor 4. PTA

प्र० 38- What is the root value of Phrenic Nerve -

- 1- C_{3,4,5} 2- T_{3,4,5} 3- T_{10, 11, 12}
4- None of these

- Q 39- What should be the quantity of NaCl in ORS solution:
 1- 2.5 gm 2 - 3.5 gm. 3- 4.5 gm 4- 5 gm.
- Q 40- Responsible factor for increasing the temperature during the ovulation period is
 1- Prolactin 2- Oestrogen 3- Thyroxin 4 - Progesterone
- Q 41- "Coronary Sinus" is situated in which part of the heart-
1 - Right Atrium 2- Right Ventricle
 3- Left Atrium 4- Left Ventricle
- Q 42- What is the "Cor Pulmonale" -
 1- Respiratory Failure due to Heart Failure
 2- Heart failure due to Renal Failure
3 - Heart failure due to Respiratory Failure
 4- Renal failure due to Respiratory failure.
- Q 43- One year child have vomiting and diarrhoea but there is no oedema and the weight of child is 62% of his normal weight. Then in which grade of P.E.M. he should be classified.
 1- PEM-I 2 - PEM-II 3- PEM-III 4- - PEM-IV
- Q 44- A Child doing vomiting and the vomitus contains bile, then what may be the expected cause-
 1- Asphyxia 2- Pre term birth /
3 - Intestinal Obstruction 4- Cerebral reason
- Q 45- A lady having pain which radiates from the lumbar region to thighs. The pain starts from the starting of the menstrual period and persists up to next three to four days, make diagnosis:
1 - Spasmodic / Primary dysmenorrhoea
 2- Congestive dysmenorrhoea
 3- Membranous dysmenorrhoea
 4- Ovulatory dysmenorrhoea.

- प्र० 46- किस प्रकार की परिषद में कभी भी जल्प नहीं किया जाना चाहिए - (च.वि. 8/20)
- 1- मूढवती व सुदृढ 2- मूढवती व प्रतिनिविष्ट
3- मूढवती व उदासीन 4- ज्ञानवती व उदासीन
- प्र० 47- सुख दुख का हेतु माना गया है (च.शा. 1/56, 57)
- 1- आत्मा 2- इन्द्रिय 3- मन 4- चतुर्विध योग
- प्र० 48- "नीलं गंगाम्बुसम्भूतं" किसके लिए कहा गया है - (र.र.स. 4/8 10)
- 1- मुक्ता 2- माणिक्य 3- नीलम 4- परोजक
- प्र० 49- "शोणितं वा रसादिभ्यो विवृद्धं तं विवर्धयेत्"
- किस व्याधि की सम्प्राप्ति है - (च.चि. 13/36)
- 1- रक्तपित्त 2- उरःक्षत 3- प्लीहोदर 4- कास
- प्र० 50- सुश्रुत संहिता में वर्णित लिंगनाश शस्त्रकर्म की शल्य क्रिया की कौम्य आधुनिक विधि से तुलना की जा सकती है -
- 1- ECCI 2- ICCE 3- Couching 4- LESER
- प्र० 51- हिंगु निर्यास किसका पर्याय है -
- 1- हिंगु 2- अरिष्टक 3- निम्ब 4- वचा
- प्र० 52- धातु की भस्म का वर्ण किस चीज पर निर्भर करता है -
- 1- पुट के प्रमाण पर 2- औषध संयोग पर
3- धातु के स्वभाव पर 4- किसी पर नहीं
- प्र० 53- गंधविरोजा किसका निर्यास है
- 1- शल्लकी 2- शाल 3- सरल 4- धान्यक
- प्र० 54- "कल्याण मातृका" का सम्बंध किस अध्याय से है -
(काश्यप, लेहाध्याय, सूत्रस्थान)
- 1- लक्षणाध्याय 2- लेहाध्याय
3- वेदनाध्याय 4- चूडाकरणीयाध्याय
- प्र० 55- आर्त्तववह स्रोतस के विद्ध होने के लक्षण है - (सु.शा. 9/12)
- 1- मैथुन असहिष्णुता, आर्त्तवनाशश्र्च, बन्ध्यत्व
2- मैथुन असहिष्णुता, आर्त्तवनाशश्र्च, कटिवेदना
3- कटिवेदना, आर्त्तवनाशश्र्च बन्ध्यत्व
4- कष्टार्त्तव, मैथुन असहिष्णुता

- प्र० 56- "ज्वराः कषायैर्वर्मानलघानलघुभाजनः । कश्चिन्मयं न शाप्यन्ति ... तेषां भिषग्विद्वत् ।" ज्वर के संदर्भ में उपर्युक्त कथन किसके लिए कहा गया है - (च.चि. 1/216)
- 1- लंघन 2- नम्य 3- रक्तविमृति ~~4~~ उपर्युक्त में से कोई नहीं
- प्र० 57- चरक चिकित्सास्थान 19वें अध्याय में पिच्छा वस्ति का निर्देश किस व्याधि के लिए किया गया है - (च.चि. 19/47)
- 1- अर्शा ~~2~~ प्रवाहिका 3- काम 4- ज्वर
- प्र० 58- बालधर्ति का निर्देश किसकी चिकित्सा में किया गया है - (सु.चि. 2/69)
- 1- शिरोवण 2- नेत्रवण 3- गुदवण 4- मुखवण
- प्र० 59- सुश्रुतानुसार आत्मा है - (सु.शा. 1/21)
- 1- सर्वगत व नित्य 2- असर्वगत व नित्य
3- असर्वगत व अनित्य 4- सर्वगत व अनित्य
- प्र० 60- सम्यक् क्षार प्रयोग के लक्षण है - (सु.सु. 11/21,28)
- 1- अनास्राव 2- अल्पव्रंदना 3- कृष्णता ~~4~~ उपर्युक्त सभी
- प्र० 61- शल्यतंत्र के प्रधान होने में कारण है - (सु.सु. 1/26)
- 1- सर्वतन्त्र सामान्याच्च 2- सर्वतन्त्र क्षाराग्नि प्रणिधानात्
3- आशुक्रियाकरणात् 4- उपरोक्त सभी
- प्र० 62- Paraesthesia, pain, pruritis are the prodromal symptoms of which disease.
- 1- Rabies 2- Rubella ~~3~~ Poliomyelitis 4- Meningitis
- प्र० 63- निम्न में से कौन एक पुष्पविष है -
- 1- जपा ~~2~~ कदम्ब 3- वचा 4- सूर्यमुखी
- प्र० 64- अष्टांग हृदयकार ने चित्रकाटिवटी के निम्न पर्याय दिए हैं -
- 1- क्षारादि गुटिका, पंचपटुवटी
2- बन्धिवटी, रसानवटी
3- अर्कवटी, विकसा वटी
4- उपर्युक्त में से कोई नहीं ।

प्र० 65- "Death of bed" is related with-

- 1- Hypoglycemia 2- Hyperglycemia
3- Ketoacidosis ~~4- All of these~~

प्र० 66- भावप्रकाशानुसार स्थावर विष की चिकित्सा है -

- 1- बंधन 2- बस्ति ~~3- वमन~~ 4- रक्तमांक्षण

प्र० 67- Main Sign of the precocious puberty is -

- ~~1- Short height~~ 2- Long height
3- Obesity (Medswita) 4- Emaciation (Karshya)

प्र० 68- परिवार कल्याण एवं स्वायत्त संस्थान द्वारा संचालित संस्था का क्या नाम क्या है जिसके अन्तर्गत आयुर्वेद होम्योपैथी व सिद्धा को संचालित किया जाता है परन्तु ऐलोपैथी को नहीं -

- ~~1- ISM and H~~ 2- ICMR
3- AYUSH 4- CCIM

प्र० 69- Site of the polyploid carcinoma in the uterus is-

- ~~1- Submucous layer~~ 2- Subserous layer
3- Interstitial layer 4- Interamural layer

प्र० 70- Layer of the peritomeum is -

- 1- Fibroserous 2- Serous
3- Fibromusculoserous ~~4- Fibroserous mesothelial~~

प्र० 71- इन्द्रिय प्रतिनिविष्ट ज्ञान..... सम्बंधित है -

- 1- बुद्धि ~~2- आत्मा~~ 3- इन्द्रिय ~~4- कोई नहीं~~

प्र० 72- चरक चिकित्सा स्थान के विषचिकित्सा अध्याय के अनुसार विष की चिकित्सा होती है - (च.चि. 23/166)

- 1- लक्षण विरुद्ध ~~2- दोष विरुद्ध~~
3- धातु विरुद्ध 4- उपर्युक्त में से कोई नहीं

- Q 73- Which one is not the symptom of foetal distress-
- 1- Heart beats becomes less than 100 or greater than 150.
 - 2- Ph becomes less then 7.25
 - ~~3- Calcium level decreases~~
 - 4- Foetal movements increase or decrease-
- Q 74- Muscle used in mastication (chewing) is-
- 1- Temporalis 2- Parietalis 3- Frontalis 4- Occipitalis
- Q 75- निम्न में से बच्चों के अतिसार का कारण नहीं है -
- 1- बच्चे का अधिक दूध का सेवन करना ।
 - 2- लैक्टोज इन्टोलरेन्स की स्थिति में लेक्टेट देने से ।
 - 3- मुख मार्ग से मैग्नीशियम सल्फेट देने से
 - 4- बच्चे को अधिक गुरू पदार्थ देने से
- Q 76- डी हाईड्रेशन की स्थिति में एल्डोस्टीरोन आंत्र पर उसी प्रकार से कार्य करता है जिस प्रकार से -
- 1- एल्डोस्टीरोन वृक्क नलिकाओं पर कार्य करता है ।
 - 2- एल्डोस्टीरोन वृक्क नलिकाओं पर कार्य नहीं करता है ।
 - 3- थायरॉइड हार्मोन वृक्क नलिकाओं पर कार्य करता है ।
 - 4- थायरॉइड हार्मोन के वृक्क नलिकाओं पर प्रभाव के विपरीत ।
- Q 77- Sallevan Index is related with -
- 1- Morbidity
 - 2- Mother mortality
 - 3- Neonatal mortality
 - 4- None
- Q 78- नवजात शिशु में जन्म के चौबीस घण्टे पश्चात बिलरूबिन का स्तर बढ़ जाता है जो आगे शनै-शनै सामान्य स्तर पर आने लगता है, इसका कारण है -
- 1- यकृत के क्रियाशील होने से
 - 2- यकृत के हायपरएक्टिव होने के कारण
- अन्कोन्जुगेटेड बिलरूबिन का स्तर बढ़ने के कारण ।